www.sanskriti.edu.in

1ST RANK IN UP BY SANSKRITI SCHOOL OF TOURISM AND HOSPITALITY

SANSKRITI UNIVERSITY AWARDED STUDENT DIVERSITY & YOUNG UNIVERSITY IN INFRASTRUCTURE & RESEARCH

SANSKRITI UNIVERSITY FOR EXCELLENCE IN LIFE

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
Established Under Section 2(f) of UGC Act, 1956

6TH RANK IN UP BY SANSKRITI SCHOOL OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY

RANKED AMONG TOP 15TH UNIVERSITIES IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE SANSKRITI UNIVERSITY

संस्कृति के छात्रों ने तुषार से किया 'मारीच' देखने का वायदा

जमकर ठुमके तुषार और सीरत कपूर

मंच पर मौजूद फिल्म 'मारीच' के मुख्य कलाकार तुषार कपूर, सीरत कपूर। साथ में हैं संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता और ओसडी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा।

मथुरा। अपनी नई फिल्म 'मारीच' के प्रमोशन के लिए संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंचे सिने कलाकार तुषार कपूर और सीरत कपूर हजारों विद्यार्थियों के बीच अपनी खुशी को काबू नहीं रख सके और युवा दिलों की मांग पर जमकर ठुमके। संस्कृति विवि के विद्यार्थियों से उन्होंने अपनी फिल्म देखने का वादा भी लिया।

पहले से निर्धारित समय के अनुसार 'मारीच' के मुख्य कलाकार तुषार कपूर और सीरत कपूर सुबह 11 बजे संस्कृति विश्वविद्यालय पहुंच गए। विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान पर हजारों छात्र–छात्राएं अपने चहेते कलाकारों का इंतजार कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता से मुलाकात के बाद ये कलाकार सीधे संस्कृति विवि के मुख्य मैदान में स्थित मंच पर पहुंच गए। गोलमाल, शूटआउट जैसी फिल्मों से लोकप्रिय हुए तुषार कपूर को देखते ही छात्र–छात्राएं उत्साहित होकर सीटियां बजाने लगे। वहीं हिंदी फिल्मों में 'मारीच' फिल्म से एंट्री कर रहीं खूबसूरत अदाकारा सीरत कपूर स्टेज पर आते ही विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बन गईं। शार्ट स्लीव और खुले गले की हल्के रंगों वाली आकर्षक ड्रेस में सीरत कपूर की खूबसूरती का ऐसा जादू छाया कि छात्र–छात्राओं ने उनको अपने फोन पकड़ा दिए और सेल्फी खिंचवाई। विद्यार्थियों की जिद और चांसलर डा. सचिन गुप्ता के अनुरोध पर तुषार कपूर ने अपनी प्रसिद्ध फिल्म गोलमाल के कुछ डायलाग जो गूंगे बनकर बोले थे, पूरी अदाकारी के साथ प्रस्तुत किए।

इसी बीच साउंड सिस्टम पर 'मारीच' के गाने बज उठे और तुषार व सीरत गानों पर जैसे ही थिरके छात्र–छात्राओं में जोश आ गया। वे भी मैदान पर उनके साथ नाचने लगे और जोर–जोर से गाने लगे। बीच–बीच में तुषार युवा विद्यार्थियों को फिल्म देखने की अपील भी कर रहे थे। म्यूजिक शांत हुआ तो उन्होंने बताया कि 'मारीच' एक सस्पैंस मूवी जिसको मजेदार और रोमांचक दृश्यों से ऐसा बांधा गया है कि आप पूरी फिल्म खतम हो जाने तक सीट से चिपके रहेंगे। विद्यार्थियों को उन्होंने सीरत कपूर से भी परिचित कराया। सीरत ने बताया कि वे दिल्ली की हैं और यहां आकर उन्हें अपने घर जैसा ही महसूस हो रहा है। ब्रज की धरती पर आकर मन प्रसन्न हो गया। आप लोगों से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

मंच पर संस्कृति विवि की ओर चांसलर डा. सचिन गुप्ता ने तुषार और सीरत को फिल्म के लिए शुभकामनाएं देते हुए गुलदस्ता भेंट किया। वहीं विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने भी दोनों को शुभकामनाएं दीं और गुलदस्ता भेंट किया।

******

'मारीच' एक सस्पैंस मूवी है, हत्यारा रखे है कई रूप

'मारीच' फिल्म की मुख्य कलाकार सीरत कपूर को गुलदस्ता भेंट करते संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता।

मथुरा। संस्कृति विवि अपनी नई फिल्म 'मारीच' के प्रमोशन के लिए पहुंचे तुषार कपूर और सीरत कपूर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि मारीच एक सस्पैंस मूवी है जिसमें हत्यारे को उसके कई मुखौटे होने के कारण पहचानना अंत तक मुश्किल होता है।

उन्होंने बताया कि रामायण में 'मारीच' जो कि एक राक्षस है, सीताजी के हरण के लिए वो सोने का हिरण बन जाता है। उन्होंने कहा, हालांकि फिल्म का नाम बस एक सिंबोलिक है, इसका बहुत ज्यादा पौराणिक कथा से मतलब नहीं है। उन्होंने बताया कि फिल्म में उन्होंने एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है जो हत्यारे को पकड़ने के लिए कड़ी मशक्कत करता है। तुषार ने बताया कि यह एक लो बजट की फिल्म है। टाकीजों में फिल्मों की लगातार हो रही पिटाई को देखते हुए कम बजट वाला रिस्क लिया गया है। उन्होंने बताया कि कोरोना के बाद से बालीवुड की फिल्मों पर संकट छाया हुआ है। इसके बावजूद फिल्म के कथानक और उसका प्रस्तुतिकरण इतना सस्पेंसफुल है कि मेरा विश्वास है कि लोग इसे देखने जरूर पहुंचेंगे। फिल्म में मनोरंजन के लिए भरपूर मसाला है।

तेलगू फिल्मों से अपनी फिल्मी दुनिया की शुरुआत करने वाली अदाकार सीरत कपूर ने बताया कि मैंने अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत जरूर तेलगू फिल्मों से की लेकिन वे हिंदी की फिल्मों के प्रति भी गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि वे हिंदी भाषी क्षेत्र से ही हैं और हिंदी के प्रति उनका प्रेम है। उन्होंने बताया कि वे फिल्म में हीरोइन जैसी भूमिका नहीं है, हां यह कहा जा सकता है कि वे फिल्म के केंद्र में हैं। तुषार और सीरत ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि मौका मिला तो वे ब्रज की पृष्ठभूमि से जुड़ी फिल्म में जरूर काम करना चाहेंगे।

******

175+ Companies Visited

91% Students Placed

54 Lakh Highest Package

संस्कृति यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ एग्री क्लिनिक और नोडल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट

मथुरा। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के स्वायत्त संगठन राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) द्वारा संस्कृति विश्वविद्यालय में एग्री क्लिनिक और एग्री बिजनेस सेंटर का नोडल ट्रेनिंग इस्टीट्यूट शुरू किया गया है। जिले के कृषि विद्यार्थियों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है, यहां से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इन दिनों सरकार ऐसे कार्यक्रमों पर अधिक जोर दे रही है जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। इसी क्रम में एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस सेंटर खोलने की योजना भी शामिल है। संस्कृति विवि में खुले इस कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र के माध्यम से खेती से जुड़े व्यक्ति या खेती से जुड़ने के इच्छुक व्यक्ति को 20 लाख रुपये तक का ऋण भी मिल सकता है।

इस योजना में शामिल होने वाले व्यक्ति को 45 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही यदि आवेदक की योजना उपयोगी पाई जाती है तो नाबार्ड यानी नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट आवेदक को ऋण उपलब्ध कराएगा। एसीएबीसी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए **www.sanskriti.edu.in/media/agri&clinics** पर जाना होगा। आवेदन करने के लिए आधार कार्ड नंबर, ईमेल आईडी, अंतिम शैक्षणिक योग्यता, बैंक खाते की जानकारी और फोटो जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

ये लोग जुड़ सकते हैं इस योजना

बेरोजगार कृषि स्नातक, कृषि डिप्लोमा धारक, कृषि में उच्चतर माध्यमिक और जैविक विज्ञान स्नातक और कृषि में स्नातकोत्तर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके साथ ही आवेदनकर्ता की उम्र 18 से 60 वर्ष की होनी चाहिए।

योजना के लिए ऋण और अलग–अलग वर्ग के लिए सब्सिडी कृषि क्लीनिक और कृषि व्यवसाय केंद्र स्थापित करने के लिए नाबार्ड बैंक 20 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण और प्रशिक्षण उद्यमियों के लिए 1 करोड़ रुपये तक का समूह लोन उपलब्ध कराता है। उद्यमियों को परियोजना लागत का 36 से 44 प्रतिशत लोन भी दिया जाएगा।

इस लोन पर सामान्य श्रेणी के उद्यमियों को 36 प्रतिशत सब्सिडी भी दी जाएगी। वहीं अनुसूचित जातियों, जनजातियों और महिलाओं से संबंधित उद्यमियों को 44 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए आवेदक संस्कृति विवि छाता स्थित एग्री क्लिनिक या एग्री बिजनेस सेंटर पर व्यक्तिगत रूप से अथवा फोन नंबर नंबर 9719076229 पर संपर्क कर सकते हैं।

******

संस्कृति विवि के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण में जाना फाउंड्री को

आगरा स्थित प्रकाश फाउंड्री के शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंचा छात्रों का दल।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण पर आगरा स्थित प्रकाश आयरन फाउंड्री और एमएसएमई पीपीडीसी आगरा पहुंचा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने मशीनों को नजदीक से देखा और उनके काम करने के तरीकों के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल की।

इस औद्योगिक भ्रमण के समन्वयक और संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष विंसेंट बालू ने बताया कि भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कंपनियों के आंतरिक कामकाज के बारे में जानकारी प्रदान कराना था। विद्यार्थियों ने जाना कि कैसे अवधारणाओं को क्रियान्वित किया जाता है, जिससे उनको व्यवहारिक शिक्षा में सहायता मिलती है। विद्यार्थियों का यह दल सबसे पहले आगरा स्थित प्रकाश आयरन फाउंड्री पहुंचा। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के तहत बी.टेक मैकेनिकल के साथ–साथ डिप्लोमा मैकेनिकल–प्रोडक्शन के छात्र इस औद्योगिक दौरे में थे। उनके साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग संस्कृति विवि के सहायक प्रोफेसर अजय अग्रवाल और अंशुमन सिंह भी थे।

विभागाध्यक्ष बालू ने बताया कि प्रकाश फाउंड्री में विद्यार्थियों को पैटर्नमेकिंग, मोल्डिंग, मेल्टिंग, पोरिंग, इजेक्शन, क्लीनिंग, फेटलिंग और इंस्पेक्शन की व्यावहारिक जानकारी मिली। प्रकाश आयरन फाउंड्री 2004 से सी.आई.कास्टिंग, गैस मैनिफोल्ड और गियर बॉक्स का निर्माता है। चूंकि छात्र मैकेनिकल इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से थे, इसलिए उनके लिए इस यात्रा को सैद्धांतिक अवधारणाओं से जोड़ना वास्तव में बहुत आसान था। बाद में छात्रों को एमएसएमई पीपीडीसी आगरा ले जाया गया, जहां उन्हें सीएनसी मिलिंग प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को विभिन्न मेट्रोलॉजिकल लैब दिखाए गए जहां उन्होंने एमएसएमई विशेषज्ञों के साथ बातचीत की। इस औद्योगिक दौरे का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देना था। छात्रों, जिससे उन्हें प्लेसमेंट के लिए तैयार किया जा सके।

******

COURSES
- Engineering
- Polytechnic
- Management & Commerce
- Tourism & Hospitality
- Fashion
- Law & Legal Studies
- Humanities & Social Science
- Education
- Rehabilitation
- Basic & Applied Sciences
- Agriculture
- Pharmacy
- Yoga & Naturopathy
- Medical & Allied Sciences
- Nursing
- BAMS

संस्कृति विश्वविद्यालय में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। इसी क्रम में आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। उत्तर–दक्षिण के सेतु के नाम से प्रसिद्ध महाकवि सुब्रह्मण्य भारती की जयंती के मौके पर आयोजित भारतीय भाषा दिवस का मकसद, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के तहत छात्रों को भारतीय भाषाओं की जानकारी देने, अन्य भारतीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एमबी चेट्टी ने बताया कि बताया कि शिक्षा मंत्रालय की ओर से देश भर में महाकवि सुब्रह्मण्यम की 140वीं जयंती को भारतीय भाषा उत्सव मनाया जा रहा है। इसमें देश के एक लाख से अधिक विश्वविद्यालय, विद्यालय अन्य शिक्षण संस्थानों के एक करोड़ छात्र शामिल हैं। शहर के विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में भारतीय भाषा उत्सव के आयोजन हो रहे हैं। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं के महत्व को भी समझाया। इसी क्रम ने आजादी के 'अमृत महोत्सव' हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि संसाधन जो स्वयं हमारी मूल भाषाओं में संस्कृतियों और नवीनता का परिचय देते हैं और हमारे देश और दुनियाभर में समाजिक निर्माण करते हैं। मिस लैसी और मिस हरिता ने अपनी मूल भाषा का प्रतिनिधित्व किया।

संस्कृति विवि में मनाए गए भारतीय भाषा उत्सव में विद्यार्थियों को संबोधित करते विवि के कुलपति प्रो.एनबी चेट्टी।

कार्यक्रम में ओएसडी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, डीन एकेडमिक प्रो.हरवीर सिंह, डीन, प्रो. डी.एस.तोमर और अन्य विभागों के डीन और संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की संयोजक डा. दुर्गेश वाधवा थीं और सह–समन्वयक डॉ. नेहा पाठक, डॉ. नीलम कुमारी, मिस लैसी थीं। संस्कृति ट्रेनिंग सेल की एक्सीक्यूटिव अनुजा गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

******

संस्कृति विश्वविद्यालय के मैदान में बच्चों ने कैनवास पर सजाया भविष्य का भारत

पेंटिंग प्रतियोगिता में 35 स्कूलों के 700 बच्चों ने लिया भाग

संस्कृति विश्वविद्यालय के मुख्य मैदान में ड्राइंग पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते विभिन्न स्कूलों के बच्चे।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ड्राइंग पेंटिंग कंपटीशन में भाग लेने आगरा, मथुरा, वृंदावन, कोसी, कोटवन, छाता, आझई सहित अनेक स्थानों से दर्जनों स्कूल के सैंकड़ों बच्चे पहुंचे। विश्वविद्यालय का मुख्य मैदान में स्कूली बच्चों ने दिए गए विषयों पर अपनी सोच को जब कैनवास पर उकेरा तो देखने वाले हैरत में पड़ गए। बच्चों के चित्र बता रहे थे कि आने वाला समय इन बच्चों का है और ये देश को विश्व का सिरमौर बनाने के लिए कितने उतावले हैं।

हरी–हरी घास पर बिछे कार्पेट और कुर्सी, मेजों पर अपने साथ लाए रंगों का संसार लिए बच्चे जमे थे। लगभग 35 स्कूलों के 700 बच्चे इस ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे। सुबह 10 बजे से शुरू हुई प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे तक चली। छोटे बच्चों को 1.पर्यावरण बचाओ, 2. मेरा भविष्य क्या है, 3.धार्मिक आस्था पर चित्र बनाने को दिया गया था वहीं बड़े बच्चों को, 1.स्वच्छ भारत अभियान, 2–आजादी का अमृत महोत्सव पर चित्र बनाने को कहा गया। बच्चों के साथ विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षक भी थे जो बच्चों की व्यवहारिक दिक्कतों को सुलझा रहे थे। उधर संस्कृति विवि के एडमीशन सेल के विजय सक्सैना के साथ उनकी टीम बच्चों के रजिस्ट्रेशन सहित प्रतियोगिता को निर्विघ्न सफल बनाने में अंत तक जुटी रही। ये सभी स्कूली विद्यार्थी बड़ी तल्लीनता के साथ अपने विषय अनुरूप कैनवास पर पेंसिल और रंगों की कूचियों से अपनी कल्पना को साकार कर रहे थे।

बच्चे पहले पेंसिल से अपनी कल्पनाओं का खाका तैयार कर रहे थे और फिर उसके बाद उनमें रंग भर रहे थे। चाहे छोटे बच्चे हों या फिर बड़े सबके सब पूरी तैयारी के साथ पहुंचे और चित्र बनाने को लेकर बहुत उत्साहित नजर आए। इतने सारे बच्चे विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र भी बने रहे। बच्चों का अनुशासित व्यवहार भी सबको प्रभावित कर रहा था। बच्चों ने विषयानुरूप अपनी कल्पनाओं को इतनी खूबसूरती से कागज पर उतारा था कि चयनकर्ताओं के समक्ष प्रथम, द्वितीय और तृतीय का चयन एक चुनौती बन गया।

******

विजेता हुऐ पुरस्कृत

मथुरा। संस्कृति ड्राइंग पेंटिंग कंपटीशन के तुरंत बाद चयनकर्ताओं ने उत्कृष्ट चित्रों का चयन कर विजेताओं की घोषणा की। विजेताओं को संस्कृति विवि के एकाडमिक डीन डा. हरवीर सिंह ने मोमेंटो और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। सीनियर ग्रुप (नवीं से 12वीं कक्षा तक) के बच्चों की प्रतियोगिता में रतन लाल फूल कटोरी की 11वी कक्षा की छात्रा मानवी गुप्ता को प्रथम, माउंट जी लिट्रा मथुरा की छात्रा राधिका चौधरी को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं जूनियर ग्रुप में (एक से नवीं कक्षा तक) माउंट जी लिट्रा मथुरा के छात्र आर्यन सिंह, राधास्वामी स्कूल छाता के छात्र प्रशांत कुशवाह को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीनियर ग्रुप में रनर रहीं एमडी जैन पब्लिक स्कूल कोसीकलां की छात्रा संध्या सिंह को, द्वितीय रनर संदीपनी मुनी स्कूल वृंदावन की छात्रा चंचल राठौर को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। इसी प्रकार जूनियर ग्रुप में प्रथम रनर सेंट पाल स्कूल आगरा की छात्रा रिधिमा गुप्ता, द्वितीय रनर सरस्वती विद्यामंदिर वृंदावन की छात्रा हर्षिता शर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

******

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने निकाली विश्व एड्स दिवस पर रैली

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ नर्सिंग के द्वारा विश्व एड्स दिवस पर अकबरपुर में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में विवि के एनसीसी, एनएसएस और अन्य विभागों के छात्र–छात्राओं ने एड्स जैसी लाइलाज बीमारी से बचने के लिए लोगों को पोस्टरों और नारों के माध्यम से जागरूक किया। विश्व एड्स दिवस पर संस्कृति विवि के विद्यार्थियों की यह जागरूकता रैली सुबह 11 बजे रवाना हुई। रैली को कुलपति प्रो. एनबी चेट्टी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अकबरपुर पहुंचकर रैली गलियों, बाजार से होती हुई चौपाल पर पहुंची। हाथों में पोस्टर लिए और नारे लगाते विद्यार्थी जब गलियों से गुजरे तो लोगों ने बड़ी उत्सुकता से उनको देखा। चौपाल पहुंचने पर संस्कृति स्कूल आफ नर्सिंग के प्राचार्य डा. केके पाराशर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, इससे बचाव ही इसका इलाज है। उन्होंने बताया कि मामूली सी सावधानियां बरतकर इस बीमारी को दूर रखा जा सकता है। इस मौके पर गांव प्रधान भरतजी ने भी बीमारी से बचने के लिए सावधानी बरतने की हिदायत दी।

रैली में विद्यार्थियों के अलावा नर्सिंग स्कूल की फैकल्टी केश चंद्र सिंह, सुजित शर्मा, शिनायक दुबे, एनसीसी प्रमुख विपिन सोलंकी, स्कूल आफ फार्मेसी के निदेशक डा. डीके शर्मा, डा. कमल पांडे आदि भी शामिल हुए।

******

चित्र परिचयः संस्कृति विवि द्वारा विश्व एड्स दिवस पर निकाली गई रैली अकबर चौपाल पर पहुंची। चौपाल पर लोगों को संबोधित करते वक्ता।

संस्कृति यूनिवर्सिटी को मिली आईसीएआर की मान्यता

मथुरा। संस्कृति यूनिवर्सिटी, छाता(मथुरा) को इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) की मान्यता मिल गई है।

कुछ दिनों पहले ही आईसीएआर की शिक्षाविदों की टीम यूनिवर्सिटी में निरीक्षण करने पहुंची थी। उन्होंने रिसोर्सेस, इंफ्रास्ट्रक्चर, टीचिंग, लर्निंग आदि का वैल्यूएशन किया।

इसमें यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर और बीएससी (ऑनर्स) एग्रीकल्चर प्रोग्राम को मान्यता दी गई। इस तरह से संस्कृति विवि उत्तर प्रदेश में दूसरी आईसीएआर मान्यता प्राप्त प्राइवेट यूनिवर्सिटी बन गई है।

संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश में संस्कृति यूनिवर्सिटी को यह उपलब्धि मिलना मायने रखता है। इस मान्यता के साथ ही एग्रीकल्चर स्टूडेंट्स को कई लाभ मिल सकेंगे।

वे गवर्नमेंट जॉब के लिए विभिन्न एग्जाम के लिए आवेदन कर सकेंगे। फैकल्टी भी अपने रिसर्च प्रोजेक्ट सबमिट कर सकेंगे और उन्हें रिसर्च के लिए उचित फाइनेंशियल ग्रांट भी मिल सकेगी।

******

SCHOOL OF AGRICULTURE
ACCREDITED BY
भाकृअनुप
ICAR
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

RANKED 5th
सत्यमेव जयते
IN THE LIST OF
INDIAN ACADEMIC INSTITUTIONS
With the highest number of Patent applications
by INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL POLICY AND PROMOTION
Office of the Controller General of Patents, Designs, Trademarks, and Geographical Indications, Government of India